खबर संक्षेप

भोपाल के आदेशों को ठेंगा?

शहडोल। शासकीय कार्यालयों में प्रस्तुत किए जाने वाले पत्रों और आवेदनों की प्राप्ति रसीद (रिसीविंग) देने के संबंध में मध्यप्रदेश शासन द्वारा वर्षों पहले स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए जा चुके हैं, लेकिन शहडोल स्थित बिरसा मुंडा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में इन आदेशों का पालन आज भी सवालों के घेरे में है। यहां पत्र जमा करने वाले आवेदकों को विधिवत प्राप्ति रसीद देने के बजाय कई मामलों में केवल सादे कागज पर हस्ताक्षर कर औपचारिकता पूरी कर दी जाती है, जिससे प्रशासनिक पारदर्शिता पर प्रश्न खड़े हो रहे हैं। हाल ही में नर्सिंग ऑफिसर एसोसिएशन द्वारा अधिष्ठाता, बिरसा मुंडा मेडिकल कॉलेज को सौंपे गए एक ज्ञापन की प्राप्ति रसीद चर्चा का विषय बनी हुई है। प्राप्त दस्तावेज में केवल हस्ताक्षर और दिनांक अंकित दिखाई दे रहे हैं, जबकि कार्यालयीन प्राप्ति से संबंधित आवश्यक विवरण स्पष्ट रूप से दर्ज नहीं हैं। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग, मंत्रालय भोपाल द्वारा 27 जुलाई 2006 को जारी पत्र क्रमांक 1745/2318/06/1/9 में सभी अपर मुख्य सचिवों, प्रमुख सचिवों, सचिवों, संभागायुक्तों, विभागाध्यक्षों, कलेक्टरों एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देशित किया गया था कि किसी भी आवेदन, पत्र या दस्तावेज की प्राप्ति देते समय प्राप्तकर्ता कर्मचारी अपने हस्ताक्षर करे, प्राप्ति की पूर्ण तिथि अंकित करे तथा नाम, पदनाम एवं कार्यालय की स्पष्ट मुहर लगाए। शासन ने यह भी माना था कि अधूरी प्राप्ति रसीद भविष्य में विवाद और जवाबदेही की समस्या उत्पन्न करती है। सूत्रों का कहना है कि मेडिकल कॉलेज में कई बार आवेदकों को नियमित प्राप्ति क्रमांक, पंजीयन विवरण अथवा कार्यालयीन मुहर के बिना ही रसीद दे दी जाती है। जबकि प्रशासनिक प्रक्रिया के तहत प्राप्त पत्रों का पंजीकरण रजिस्टर में दर्ज होना चाहिए और आवश्यकता पडने पर उसका संदर्भ क्रमांक भी उपलब्ध कराया जाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि इस विषय को लेकर पूर्व में भी सवाल उठ चुके हैं, लेकिन व्यवस्था में अपेक्षित सुधार दिखाई नहीं दे रहा। ऐसे में सवाल यह उठ रहा है कि जब शासन के स्पष्ट निर्देश मौजूद हैं, तब बिरसा मुंडा मेडिकल कॉलेज में उनका पालन क्यों नहीं हो रहा? अब निगाहें जिम्मेदार अधिकारियों पर हैं कि वे इस मामले में स्पष्टीकरण देते हुए व्यवस्था को शासन के नियमों के अनुरूप बनाते हैं या नहीं।

चैनल गेट का ताला तोड़ 7 लाख के माल पर हाथ साफ

शहडोल। जिले में खाकी का इकबाल इस कदर तार-तार हो चुका है कि अब बदमाशों को न तो कानून का खौफ है और न ही पुलिस की गश्त का डर। जयसिंहनगर थाना क्षेत्र के कनाडी खुर्द गांव में बीती रात शातिर चोरों ने एक बड़ी दुस्साहसिक वारदात को अंजाम दिया। भीषण गर्मी के कारण किसान कुंज बिहारी गुप्ता का पूरा परिवार घर के आंगन में गहरी नींद में सोता रहा और अज्ञात चोरों ने पलक झपकते ही पूरे मकान को खंगाल डाला। चोरों ने कटर और औजारों के दम पर पहले मुख्य चैनल गेट का ताला चटकाया, फिर अंदर के कमरों और अलमारियों के ताले तोड़कर करीब 7 लाख रुपये से अधिक के सोने-चांदी के जेवरात और नकदी पार कर दिए। पीड़ित किसान कुंज बिहारी गुप्ता ने बताया कि सुबह जब उनकी आंख खुली, तो घर के भीतर का नजारा देखकर उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। कमरों के ताले टूटे थे और सामान बिखरा पड़ा था। तिजोरी से चोरों ने लगभग दो किलोग्राम चांदी, एक तोला सोना और एक लाख रुपये की चमचमाती नकदी साफ कर दी थी। पीड़ित के आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे हैं, उन्होंने यह रकम खेती-किसानी के सीजन में खाद और बीज खरीदने के लिए पाई-पाई जोड़कर रखी थी, जिसे बेरहम चोर उड़ा ले गए। घटना की सूचना मिलते ही जयसिंहनगर पुलिस मौके पर पहुंची और लकीर पीटते हुए अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि जनता खुद को सुरक्षित कैसे समझे? अभी कुछ ही समय पहले जैतपुर थाना क्षेत्र में एक रिटायर्ड शिक्षक के घर 70 लाख रुपये की डकैती जैसी बड़ी चोरी हुई थी, जिसमें महीनों बाद भी शहडोल पुलिस के हाथ खाली हैं।

मौत से जंग के बीच नवजीवन को दिया सुरक्षित सहारा

चिकित्सा केवल एक पेशा नहीं, बल्कि मानव सेवा का सर्वोच्च माध्यम है। इस कथन को शहडोल के आदित्य सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल ने एक बार फिर चरितार्थ कर दिखाया है।

मानवता की मिसाल बना आदित्य हॉस्पिटल

शहडोल। गंभीर सडक़ दुर्घटना में घायल गर्भवती महिला और उसके गर्भस्थ शिशु के जीवन पर मंडरा रहे संकट के बीच अस्पताल के चिकित्सकों ने असाधारण संवेदनशीलता, त्वरित निर्णय क्षमता और मानवीय सरोकारों का परिचय देते हुए एक नवजात की जान बचा ली। अनूपपुर जिले के ग्राम लखेड़ा निवासी श्रीमती भागवती सिंह, पति कमल सिंह, दोपहिया वाहन दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गई थीं। हादसे में उनके सिर पर गंभीर चोटें आईं, जिसके कारण उनकी स्थिति अत्यंत चिंताजनक हो गई। प्रारंभिक उपचार के बाद उन्हें उच्च चिकित्सा सुविधा के लिए रेफर कर दिया गया था, लेकिन रास्ते में उनकी हालत लगातार बिगड़ती चली गई। इसी दौरान गर्भ में पल रहे शिशु का जीवन भी संकट में पड़ गया।

परिजनों ने अंतिम उम्मीद के रूप में उन्हें शहडोल स्थित आदित्य सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में भर्ती कराया। यहां पहुंचते ही चिकित्सकों ने स्थिति की गंभीरता को समझते हुए तत्काल विशेषज्ञों की टीम गठित की। मां और शिशु दोनों के जीवन को बचाने की चुनौती के बीच डॉक्टरों ने सूझबूझ और साहस का परिचय देते हुए आपातकालीन सिजेरियन ऑपरेशन का निर्णय लिया।

अस्पताल के विशेषज्ञ चिकित्सकों के अथक प्रयास रंग लाए और सफल शल्य प्रक्रिया के माध्यम से शिशु को सुरक्षित जन्म दिलाया गया। चिकित्सकों के अनुसार नवजात पूरी तरह स्वस्थ है तथा उसकी स्थिति संतोषजनक बनी हुई है। वहीं सिर में गंभीर चोटों के कारण मां का उपचार अभी भी गहन चिकित्सा निगरानी में जारी है और चिकित्सक उन्हें स्वस्थ करने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। इस पूरे घटनाक्रम का सबसे भावनात्मक पक्ष यह रहा कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवार की परिस्थितियों को देखते हुए अस्पताल प्रबंधन और संचालक डॉ. आदित्य त्रिवेदी ने संपूर्ण उपचार एवं डिलीवरी की प्रक्रिया निःशुल्क कराने का निर्णय लिया। ऐसे समय में जब चिकित्सा सेवाओं को लेकर अक्सर प्रश्न उठते हैं, आदित्य हॉस्पिटल की यह पहल मानवता, करुणा और सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रेरणादायी उदाहरण बनकर सामने आई है। क्षेत्र के लोगों ने चिकित्सकों की इस सेवा भावना की सराहना करते हुए इसे चिकित्सा जगत में मानवता की एक सशक्त मिसाल बताया है।

मनचाही पदस्थापना की जिद पर अटका मामला

बहाली के तीन माह बाद भी प्रभार नहीं

न्यायालय से राहत, बहाली और विभागीय जांच के बीच बढ़ा विवाद त्यागपत्र की चर्चा के बीच प्रशासन का पक्ष आया सामने

शहडोल।

जिले की जयसिंहनगर तहसील में पदस्थ पटवारी रमेश पटेल का मामला एक बार फिर चर्चा में है। सितंबर 2025 में शुरू हुआ स्थानांतरण विवाद अब निलंबन, न्यायालयीन कार्यवाही, विभागीय जांच, बहाली और प्रभार ग्रहण नहीं किए जाने तक पहुंच गया है। प्रशासनिक दस्तावेजों और विभागीय सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार पटवारी को 2 मार्च 2026 को बहाल कर नई पदस्थापना भी दे दी गई थी, लेकिन तीन माह बीतने के बाद भी उन्होंने निर्धारित हल्के का प्रभार ग्रहण नहीं किया है। दूसरी ओर हाल के दिनों में त्यागपत्र और प्रशासनिक दबाव संबंधी चर्चाओं के बीच प्रशासन ने भी अपना पक्ष स्पष्ट करते हुए कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने रखे हैं।

स्थानांतरण से शुरू हुआ पूरा विवाद

सितंबर 2025 में जारी स्थानांतरण आदेश के बाद रमेश पटेल ने प्रशासन के समक्ष आवेदन देकर अपने स्थानांतरण पर रोक लगाने की मांग की थी। आवेदन में उन्होंने पारिवारिक परिस्थितियों, वृद्ध एवं विधवा माता की देखभाल तथा नवीन पदस्थापना स्थल की दूरी का हवाला दिया था। इसके बाद मामला न्यायालय तक पहुंचा और उन्होंने स्थानांतरण एवं निलंबन दोनों मामलों में अलग-अलग याचिकाएं दायर कीं। उच्च न्यायालय ने स्थानांतरण संबंधी मामले में स्पष्ट निर्देश दिया था कि संबंधित कर्मचारी पहले नवीन पदस्थापना स्थल पर कार्यभार ग्रहण करे और उसके बाद अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत करे। वहीं निलंबन मामले में प्रारंभिक राहत मिलने के बाद अंतिम सुनवाई में न्यायालय ने याचिका खारिज कर दी और प्रशासनिक कार्रवाई को वैधानिक माना।

न्यायालय के बाद प्रशासन ने दिया अवसर

न्यायालयीन प्रक्रिया पूरी होने के बाद भी प्रशासन ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए 2 मार्च 2026 को रमेश पटेल को निलंबन से बहाल कर दिया। उन्हें पटवारी हल्का क्रमांक 78 जगड़ा में

पदस्थ किया गया तथा विभागीय कार्यों को देखते हुए सेवा में पुनः अवसर प्रदान किया गया। हालांकि बहाली आदेश में उनके विरुद्ध विभागीय जांच जारी रखने का भी उल्लेख किया गया। इसके बाद 12 मार्च 2026 को कार्यभार हस्तांतरण संबंधी आदेश जारी हुआ और संबंधित पटवारी को प्रभार सौंपने की प्रक्रिया शुरू की गई। विभागीय अभिलेखों के अनुसार इसके बावजूद उन्होंने आज तक उक्त हल्के का प्रभार ग्रहण नहीं किया है।

विभागीय जांच और आरोप पत्र जारी

प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार वर्तमान में रमेश पटेल के विरुद्ध विभागीय जांच जारी है और आरोप पत्र भी जारी किया जा चुका है। जांच की प्रक्रिया तहसील स्तर पर संचालित की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि जांच निर्धारित नियमों के अनुसार आगे बढ़ रही है और उसके निष्कर्षों के आधार पर आगे की कार्रवाई तय होगी। विभागीय हलकों में यह भी चर्चा है कि हाल के दिनों में सामने आई विभिन्न गतिविधियों और बयानों को जांच की पृष्ठभूमि से अलग करके नहीं देखा जा सकता। हालांकि इस संबंध में कोई आधिकारिक निष्कर्ष अभी जारी नहीं किया गया है।

त्यागपत्र की चर्चा पर प्रशासन का जवाब

हाल के दिनों में यह चर्चा भी सामने आई कि पटवारी नौकरी छोडऩे अथवा त्यागपत्र देने की बात कर रहे हैं। इस संबंध में प्रशासनिक अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि अब तक किसी सक्षम प्राधिकारी के समक्ष कोई औपचारिक त्यागपत्र प्रस्तुत नहीं किया गया है। अधिकारियों का कहना है कि यदि कोई शासकीय कर्मचारी वास्तव में त्यागपत्र देना चाहता है तो उसे नियमानुसार आवेदन कलेक्टर अथवा सक्षम प्राधिकारी को प्रस्तुत करना होता है। प्रशासन के अनुसार आज तक ऐसा कोई आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। अधिकारियों ने यह भी कहा कि कर्मचारी को मार्च माह में ही बहाल कर दिया गया था, ज्वाइनिंग दी जा चुकी थी तथा पदस्थापना आदेश भी जारी कर दिया गया था। यदि वे त्यागपत्र देना चाहते हैं तो विधिसम्मत प्रक्रिया अपनाएं, जिस पर नियमानुसार विचार किया जाएगा।

मनचाही पदस्थापना को लेकर चर्चाएं

विभागीय सूत्रों का दावा है कि संबंधित पटवारी लंबे समय से बराछ अथवा लखनौड़ी क्षेत्र में पदस्थापना चाहते रहे हैं। प्रशासनिक हलकों में चर्चा है कि वर्तमान में भी उनकी प्राथमिकता इन्हीं क्षेत्रों में वापसी की है। सूत्रों के अनुसार नई पदस्थापना स्वीकार करने में अनिच्छा का एक कारण यह भी माना जा रहा है। कुछ विभागीय अधिकारियों का कहना है कि जिन क्षेत्रों में पुनः पदस्थापना की मांग की जा रही है, वहां पूर्व में राजस्व अभिलेखों और रिकॉर्ड संबंधी कार्यों को लेकर शिकायतें प्राप्त हुई थीं। बताया जाता है कि पंचायत स्तर से भी कई शिकायतें विभाग तक पहुंची थीं तथा कुछ मामलों की जांच अभी भी लंबित है। हालांकि इन आरोपों पर अंतिम निष्कर्ष विभागीय जांच पूरी होने के बाद ही सामने आएगा।

अब प्रशासनिक अनुशासन पर उठ रहे सवाल

पूरे घटनाक्रम का अवलोकन करने पर यह तथ्य सामने आता है कि प्रशासन ने स्थानांतरण आदेश जारी किया, न्यायालयीन निर्देशों का पालन किया, निलंबन पर पुनर्विचार किया, बहाली दी और नई पदस्थापना भी सुनिश्चित की। इसके बावजूद बहाली के कई सप्ताह बाद तक कार्यभार ग्रहण न किया जाना अब प्रशासनिक अनुशासन और शासकीय दायित्वों के निर्वहन से जुड़ा बड़ा प्रश्न बन गया है। राजस्व विभाग में अब यह चर्चा है कि जब न्यायालयीन प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, बहाली मिल चुकी है और पदस्थापना आदेश प्रभावी हैं, तब भी प्रभार ग्रहण न किए जाने के पीछे वास्तविक कारण क्या हैं। आने वाले दिनों में प्रशासन इस मामले में क्या कदम उठाता है, इस पर विभागीय अमले और क्षेत्रीय जनता की नजरें टिकी हुई हैं।

जयसिंह नगर सिविल अस्पताल का भ्रष्ट सिस्टम

रसूख के आगे बेबस प्रशासन, नियमों की खुलेआम धज्जियां

जयसिंहनगर। सिविल अस्पताल जयसिंहनगर इन दिनों न केवल अपनी लचर स्वास्थ्य सेवाओं, बल्कि प्रशासनिक कुप्रबंधन के चलते चर्चा का केंद्र बना हुआ है। सिविल अस्पताल में नियमों के विपरीत बीएमओ की जगह एक सामान्य डॉक्टर को पदस्थ कर रखा गया है, जबकि जिले के लगभग सभी सिविल अस्पतालों में बीएमओ तैनात हैं। यह भेदभावपूर्ण व्यवस्था इस बात का प्रमाण है कि यहाँ का तंत्र रसूख के आगे कितना नतमस्तक है।

अटैचमेंट की आड़ में खेल- अस्पताल के भीतर मुख्य प्रशासनिक पदों पर बैठे लगभग सभी कर्मचारी अटैचमेंट (संलग्नीकरण) के भरोसे हैं। सूत्रों की मानें तो इन कर्मचारियों को फील्ड में जाकर जनसेवा करने से गुरेज है, क्योंकि इन्हें पता है कि यदि वे फील्ड में रहेंगे तो भ्रष्टाचार का मौका नहीं मिलेगा। अस्पताल के मुख्य प्रशासनिक पदों पर जमे रहने के कारण ये कर्मचारी कई वर्षों से लगातार अवैध संलग्नीकरण का लाभ उठा रहे हैं और खुलेआम भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। हैरानी की बात यह है कि इनका नेटवर्क इतना मजबूत है कि वर्षों से इनका कोई कुछ नहीं बिगाड़ पा रहा है।

बीएमओ का संरक्षण और प्रशासनिक विफलता- भ्रष्टाचार के इन आरोपों पर जब भी सवाल उठते हैं, तो एक ही बात सामने आती है कि इन कर्मचारियों को यहां के प्रभारी बीएमओ का सीधा संरक्षण प्राप्त है। चूंकि प्रभारी बीएमओ स्वयं इन भ्रष्ट गतिविधियों पर मौन साधे रहते हैं, इसलिए इन कर्मचारियों पर कोई भी अनुशासनात्मक कार्यवाही करने से वे खुद कतराते हैं। यहाँ की अव्यवस्था के पीछे की असली जड़ यहां तैनात प्रभारी बीएमओ की विवादित कार्यशैली है। पूर्व में इनकी विवादित कार्यशैली और नशे की आदतों के कारण इन्हें पद से हटा दिया गया था, जिसके खिलाफ इन्होंने हाई कोर्ट की शरण ली थी। अब जबकि वह मामला भी समाप्त हो चुका है, तब भी इनका पद पर बने रहना जिले की कार्यशैली पर भी एक बहुत बड़ा प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है।

आदेशों की खिल्ली उड़ा रहा आदेश पत्र- हाल ही में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा जारी आदेश पत्र क्रमांक/स्था./2025/3952, दिनांक 26/05/26 में स्पष्ट निर्देश थे कि ब्लॉक स्तर पर सभी संलग्नीकरण तत्काल प्रभाव से समाप्त किए जाएं, लेकिन जयसिंहनगर सिविल अस्पताल में यह आदेश भी महज एक कागजी खानापूर्ति बनकर रह गया है। आदेश पत्र की प्रतिलिपि आयुक्त स्वास्थ्य (भोपाल) और क्षेत्रीय संचालक (रीवा) तक भेजी गई थी, लेकिन स्थानीय भ्रष्टाचार के सामने आला अधिकारियों के ये निर्देश बौने साबित हो रहे हैं। आखिर कब तक जयसिंहनगर की जनता स्वास्थ्य सुविधाओं के नाम पर इस भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ती रहेगी?

भाजपा में शामिल होने की खबर निकली भ्रामक

कांग्रेस नेता बोले- छलपूर्वक फोटो खींचकर किया गया प्रचार

धनपुरी। नगर पालिका धनपुरी के वार्ड क्रमांक 28 को लेकर भाजपा में शामिल होने की चर्चाओं के बीच नया राजनीतिक विवाद सामने आ गया है। सोशल मीडिया और कुछ माध्यमों में पार्षद गीता कोल के भाई कमलेश कोल के भाजपा में शामिल होने की खबर प्रसारित होने के बाद कांग्रेस नेताओं ने इसे पूरी तरह भ्रामक और प्रायोजित प्रचार बताया है। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अंकित सिंह ने आरोप लगाया कि भाजपा लंबे समय से प्रलोभन और भ्रम फैलाने की राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि कमलेश कोल को वार्ड की समस्याओं के संबंध में चर्चा के नाम पर बुलाया गया, जहां उन्हें जबरन भाजपा का पट्टा पहनाकर फोटो खिंचवाई गई और बाद में उसे भाजपा प्रवेश के रूप में प्रचारित कर दिया गया। कमलेश कोल ने भी स्पष्ट किया कि उन्होंने कभी कांग्रेस छोडने या भाजपा की सदस्यता लेने की सहमति नहीं दी। उनका कहना है कि उनके परिवार को कांग्रेस ने सम्मान दिया है और वे पहले की तरह आज भी कांग्रेस विचारधारा के साथ हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि फोटो का राजनीतिक उपयोग कर उनकी छवि धूमिल करने का प्रयास किया गया। घटना की जानकारी मिलने पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता संतोष सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष अंकित सिंह तथा अन्य पदाधिकारी कमलेश कोल से मिले। मुलाकात के दौरान उन्होंने भाजपा में शामिल होने की खबरों को निराधार बताया। कांग्रेस नेताओं ने विधायक जयसिंह मरावी और भाजपा पदाधिकारियों पर राजनीतिक लाभ के लिए भ्रामक प्रचार करने का आरोप लगाया है। वहीं कांग्रेस का कहना है कि इस पूरे घटनाक्रम से भाजपा की कथित सदस्यता अभियान की वास्तविकता उजागर हो गई है और जनता अब ऐसे राजनीतिक हथकंडों को भली-भांति समझ रही है।

30 वर्षों का सूखा समाप्त: शारदा ओसीएम टीम के भगीरथ प्रयास से बकही गांव में पहुंची जलधारा

बुढ़ार।

अनूपपुर जिले में शारदा ओपन कास्ट प्रोजेक्ट के समीप स्थित बकही (बखी) गांव के निवासियों का तीन दशक पुराना पेयजल संघर्ष आखिरकार समाप्त हो गया है। लगभग 30 वर्षों से पानी की गंभीर समस्या से जूझ रहे इस गांव में पहली बार नियमित जल आपूर्ति सुनिश्चित की गई है, जिससे ग्रामीणों में हर्षोल्लास का माहौल है। यह ऐतिहासिक उपलब्धि कोल प्रबंधन और विशेषकर शारदा ओसीएम टीम की तकनीकी दक्षता, समर्पण और उत्कृष्ट टीमवर्क का परिणाम है ।

एक सप्ताह में असंभव हुआ संभव

सोहागपुर क्षेत्र के एरिया जनरल मैनेजर बी.के. जेना के निर्देश और शारदा ओसीएम के सब-एरिया मैनेजर पी. रमन्ना के कुशल नेतृत्व में शारदा ओसीएम टीम ने इस चुनौती को स्वीकार किया । टीम ने मात्र एक सप्ताह के भीतर इस असंभव माने जाने वाले कार्य को पूरा कर दिखाया ।

सोन नदी से पानी लाने की मजबूरी हुई खत्म

बकही गांव के लिए पेयजल संकट एक विकराल रूप ले चुका था, विशेषकर गर्मियों में जब महिलाओं और बच्चों को निस्तार व पीने के पानी के लिए कई किलोमीटर दूर सोन नदी तक घंटों मशक्कत करनी पड़ती थी । कई बार ग्रामीणों को निजी संसाधनों पर भी निर्भर रहना पड़ता था । अब नियमित जलापूर्ति शुरू होने से महिलाओं के समय की बचत होगी, जिसका सकारात्मक प्रभाव बच्चों की शिक्षा और परिवार के अन्य कार्यों पर पड़ेगा ।

दिवाली सा जश्न और प्रबंधन का आभार

11 जून को जैसे ही पंप चालू हुआ और गांव में पानी की रफ्तार पहुंची, ग्रामीणों ने पटाखे फोडक़र और मिठाइयां बांटकर दिवाली की तरह खुशियां मनाईं । गांव की सरपंच पिंकी देवी सिंह ने प्रबंधन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शारदा ओसीएम टीम और अधिकारियों ने भागीरथी को गांव में प्रवेश कराकर सपनो को साकार कर दिया है, जिसके लिए पूरा गांव जीवन भर उनका आभारी रहेगा ।

तकनीकी रणनीति के तहत

टी-2 एक्सटेंशन ट्रेंच से पाइपलाइन का विस्तार किया गया और 6 इंच की पाइपलाइन बिछाई गई । पंप को विद्युत आपूर्ति प्रदान करने के लिए धरती में 25 खंभे गाडक़र ओवरहेड लाइन खींची गई और पुरानी व्यवस्था को पुनः व्यवस्थित किया गया। कठिन भू-भाग और सीमित संसाधनों के बावजूद टीम ने अपनी विशेषज्ञता से जल प्रवाह की सभी बाधाओं को दूर किया ।

नेतृत्व और टीमवर्क की मिसाल

इस परियोजना की सफलता का मुख्य श्रेय सब-एरिया पी. रमन्ना के दूरदर्शी नेतृत्व और शारदा ह्रष्टरू टीम के अथक परिश्रम को दिया जा रहा है । कार्य के अंतिम चरण तक उनका सक्रिय योगदान रहा । विशेषज्ञों का मानना है कि 30 वर्षों के इंतजार के बाद बकही गांव में बहता यह पानी केवल एक सुविधा नहीं, बल्कि प्रबंधन की सामाजिक जिम्मेदारी, सामूहिक प्रयास और दृढ़ इच्छाशक्ति की जीत का प्रतीक बन गया है ।

अफसर एसोसिएशन चुनाव संपन्न, नवनिर्वाचित टीम ने संभाली कमान

धनपुरी। कोल माइंस ऑफिसर असोसिएशन ऑफ़ इंडिया साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड बिलासपुर शाखा का चुनाव संपन्न हुआ इस चुनाव में लोगों ने कई प्रत्याशियों को आईना दिखाया और कई नये युवा प्रत्याशी पुराने प्रत्याशियों को पराजित किया। 8 जून को एस ई सी एल शाखा के अध्यक्ष आशीष त्यागी के नेतृत्व में कोल माइंस ऑफिसर एसोसिएशन ऑफ इंडिया की टीम सबसे पहले अध्यक्ष सह- प्रबंध निदेशक हरीश दुहन से सौजन्य भेंट की। इस टीम में दोनों वाइस प्रेसिडेंट अजय द्विवेदी एवं तिलक राज महासचिव आलोक कुमार खुल्लर जॉइंट जनरल सेक्रेटरी डॉक्टर अनु नेहा ट्रेजर अनूप विजय रहाते, और जॉइंट ट्रेजर अजय गुप्ता शामिल थे। कंपनी के सीएमडी हरीश दुहन सर ने सभी विजय प्रत्याशियों को शुभकामनाएं दी और कहा की आपकी टीम बहुत ही एनर्जेटिक है जिसमें एक्सपीरियंसड और युवा लोग का समावेश है। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि यह टीम कोल माइंस ऑफिसर असोसिएशन ऑफ़ इंडिया की गरिमा का ध्यान रखते हुए बहुत बढिया काम करेगी और अधिकारियों के कल्याण में बढ चढ के हिस्सा लेगी। इस अवसर पर सी एम ओ ऐ आई के अध्यक्ष आशीष त्यागी ने सीएमडी सर को भरोसा दिलाया कि यह टीम सकारात्मक तरीके से सभी को लोगों को लेकर आगे बढ़ेगी और हमारी प्राथमिकता कंपनी को विभिन्न क्षेत्रों में मिल रही चुनौतियों से निपटने में सक्षम बनाने में रहेगा। इस अवसर पर निदेशक मानव संसाधन ने कहा की टीम बहुत अच्छी फार्म हुई है और आप सब लोग को एक साथ मिलकर अधिकारियों के हित के लिए आगे बढना होगा। **अजय द्विवेदी का रिजनल वर्कशॉप में हुआ भव्य स्वागत।-** कोल माईंस ऑफिसर असोसिएशन ऑफ़ इंडिया के नवनिर्वाचित वाइस प्रेसिडेंट और वर्कशॉप के इंजीनियर अजय द्विवेदी का जैसे ही 9 जून को क्षेत्रीय कार्यशाला में आगमन हुआ तो उनके समर्थको ने ढोल नगाड़े के साथ और शानदार आतिशबाजी करके स्वागत किया। बूढ़ार ग्रुप के इंजीनियर भैया लाल, प्रबंधक विद्युत एवं आंतरिक राजेश अग्रवाल एवं अन्य अधिकारी और स्टाफ के लोगों ने अजय द्विवेदी को मालों से पाट दिया। अजय द्विवेदी के वाइस प्रेसिडेंट बनने पर एरिया जनरल मैनेजर बीके जेना, मनीष श्रीवास्तव महाप्रबंधक संचालन, सब एरिया मैनेजर रामपुर बटुरा संदीप शर्मा, सब एरिया मैनेजर राजेंद्रा खैरहा हरी बाबू, सब एरिया मैनेजर बुढार शारदा पी रमन्ना, सब एरिया मैनेजर अमलाई धनपुरी ओसीएम मनीष कुमार सिंह, सब एरिया मैनेजर आमलाई बंगवार दामिनी संजय सिंह, स्टाफ ऑफिसर विद्युत एवं यांत्रिक पार्थ सेनगुप्ता, एरिया फाइनेंस मैनेजर रविंद्र गणवीर, मुख्य चिकित्सा सेवा के डॉक्टर कल्याण सरकार, स्टाफ ऑफिशल माईनिंग संदीप सोनी एरिया सेफ्टी ऑफिसर रमेश प्रसाद, एरिया सर्वे ऑफिसर आशीष सक्सेना, प्रबंधक ए के जोड़े, प्रबंधक श्री ध्रुव, प्रबंधक डी आर कुर्रे, प्रबंधक राजेश खमपरिया, प्रबंधक मंडावी, प्रबंधक बालकृष्ण,एरिया पर्सनल मैनेजर बलराम हेंब्रम, राजेंद्र चतुर्वेदी, स्टाफ ऑफिसर मटेरियल आनंद पांडे, प्रबंधक कार्मिक पार्थ चटर्जी,डिपोऑफिसर प्रवेश सोनी, वर्कशॉप के प्रभारी चीफ मैनेजर डॉक्टर सिद्दीकी, मैनेजर लीलेश डहरिया, डा शाहिद कादरी, एरिया सेल्स मैनेजर कुशाल सिंह आदि ने शुभकामनाएं दी।

खबर संक्षेप

बावड़ी उत्सव में जुटे ग्रामीण, प्राकृतिक जल स्रोत की सफाई कर दिया जल संरक्षण का संदेश

बदरा/जमुना। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के तृतीय चरण अंतर्गत बावड़ी उत्सव कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को जैतहरी विकासखंड के सेक्टर क्रमांक-03 स्थित ग्राम बैहार में विशेष स्वच्छता एवं श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों एवं जन अभियान परिषद के कार्यकर्ताओं ने बावड़ी नुमा प्राकृतिक जल स्रोत की साफ-सफाई कर जल संरक्षण एवं स्वच्छता का संदेश दिया। उल्लेखनीय है कि 5 जून से 30 जून तक जिलेभर में जल गंगा संवर्धन अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में ग्राम बैहार स्थित उस प्राकृतिक जल स्रोत को चयनित किया गया, जहां वर्षभर पानी उपलब्ध रहता है और जो ग्रामीणों के लिए महत्वपूर्ण जल स्रोत के रूप में जाना जाता है। बैहार पहाड़ी के नीचे ग्राम पंचायत के समीप स्थित इस जल स्रोत की साफ-सफाई कर उसे संरक्षित करने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक उमेश पाण्डेय एवं विकासखंड समन्वयक फत्ते सिंह की विशेष उपस्थिति रही। यह आयोजन नवांकुर संस्था ह्यूमैनिटी केयर फैमिली वेलफेयर एंड हेल्थ सोसायटी जैतहरी के तत्वावधान में संपन्न हुआ। सफाई अभियान के दौरान उपस्थित ग्रामीणों एवं स्वयंसेवकों ने जल स्रोत से कचरा, जलकुंभी, प्लास्टिक पाउच तथा गाद निकालकर परिसर को स्वच्छ बनाया। साथ ही जल स्रोत के आसपास स्वच्छता बनाए रखने एवं इसके संरक्षण हेतु सामूहिक संकल्प भी लिया गया। इस अवसर पर जिला समन्वयक उमेश पाण्डेय ने कहा कि पारंपरिक जल स्रोतों का संरक्षण वर्तमान समय की आवश्यकता है। जल संकट से निपटने के लिए समाज को आगे आकर जल स्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। उन्होंने कहा कि जल है तो कल है और आने वाली पीढ़ियों के लिए जल संसाधनों को सुरक्षित रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में संस्था प्रमुख पुष्पेंद्र नामदेव, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति बैहार के अध्यक्ष श्याम सिंह, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति भेलमा के अध्यक्ष एवं सदस्य, परामर्शदाता राम सिंह, मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के बीएसडब्ल्यू छात्र प्रियेश नामदेव, एमएसडब्ल्यू के छात्र सहित बड़ी संख्या में मातृशक्तियों एवं ग्रामवासियों ने सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीणों को जल स्रोतों की नियमित साफ-सफाई, संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति जागरूक किया गया। अंत में उपस्थित सभी लोगों को जल संरक्षण एवं संवर्धन की शपथ दिलाई गई तथा भविष्य में भी श्रमदान के माध्यम से जल स्रोतों को संरक्षित रखने का संकल्प लिया गया।

अवैध रेत परिवहन पर ट्रैक्टर-ट्रॉली किया जब्त

कटनी। रेत के अवैध परिवहन पर विजयराघवगढ़ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए रेत से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त की है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन एवं एसडीओपी विजयराघवगढ़ वीरेंद्र धार्वे के मार्गदर्शन में की गई। पुलिस को सूचना मिली थी कि ग्राम खेरवा घाट के पास एक ट्रैक्टर-ट्रॉली में अवैध रूप से रेत का परिवहन किया जा रहा है। सूचना पर थाना प्रभारी अभिषेक चौबे के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की। जांच के दौरान बिना नंबर की सोनालीका कंपनी की नीले रंग की ट्रैक्टर-ट्रॉली में रेत भरी पाई गई, जिसे पुलिस ने गवाहों की मौजूदगी में जब्त कर लिया। हालांकि चालक मौके से फरार हो गया।जब्त ट्रैक्टर-ट्रॉली को सुरक्षार्थ थाना परिसर में खड़ा कराया गया है। मामले में वाहन के विरुद्ध धारा 106 बीएनएसएस के तहत वैधानिक कार्रवाई की गई है।

फर्जी बिलों के सहारे सरकारी खजाने पर फेरा हाथ

बिना रॉयल्टी नाले की रेत से खड़ा किया चेकडैम

छपडौर पंचायत के घोटालों की फाइल डस्टबिन के हवाले छुट्टी और बीमारी का नाटक कर रहे एपीओ

मानपुर। जनपद पंचायत मानपुर के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत छपडौर इन दिनों विकास कार्यों के नाम पर भ्रष्टाचार का गढ़ बन चुकी है। सरकारी खजाने को दीमक की तरह चाटने का एक और सनसनीखेज मामला दलबलहार नाला में बने चेकडैम निर्माण में सामने आया है। धरातल पर महज 5 लाख रुपये का काम करवाकर कागजों पर करीब 14 लाख रुपये का स्टीमेट ठिकाने लगा दिया गया। जनता के टैक्स की गाढ़ी कमाई से सरपंच, सचिव और सब-इंजीनियर मिलकर अपनी जेबें गर्म कर रहे हैं, और जिम्मेदार कुंभकर्णी नींद सोए हुए हैं।

15वां वित्त और मनरेगा के बजट का महाघोटाला

दलबलहार नाला चेकडैम निर्माण की तकनीकी और वित्तीय स्वीकृति के आंकड़े ही भ्रष्टाचार की पूरी कहानी बयां कर रहे हैं। उक्त चेक डैम वर्ष 2021-2022 में 15वां वित्त मद से 10 लाख और मनरेगा से 3 लाख 94 हजार कुल 13.94 लाख स्वीकृति हुआ, टीएस 13 जून 2023 और प्रशासकीय स्वीकृत 24 जून 2021 को दी गई, मजे की बात तो यह है कि कार्य की शुरुआत 15 मार्च 2022 और पूर्णता 08 जनवरी 2026 दर्शाया गया। जब निर्माण स्थल पर बमुश्किल 5 लाख रुपये का ढांचा खड़ा किया गया है, तो फिर 14 लाख रुपये का स्टीमेट क्यों और किसके इशारे पर पास किया गया। साफ है कि बची हुई मोटी रकम को सरपंच-सचिव-इंजीनियर ने आपस में डकार ली गई।

कागजों पर फूटे लाखों के बिल

जानकारी के मुताबिक इस चेकडैम के निर्माण में कहीं बाहर से रेत नहीं लाई गई, बल्कि दलबलहार नाले की ही रेत का अवैध रूप से धड़ल्ले से इस्तेमाल कर लिया गया। शासन की गाइडलाइन के अनुसार, किसी भी सरकारी निर्माण कार्य में उपयोग की जाने वाली रेत के बिल के साथ रॉयल्टी पर्ची होना अनिवार्य है, लेकिन यहां नियमों को पैरों तले रौंदते हुए, बिना रॉयल्टी के कच्चे बिल ऑनलाइन चढ़ाकर सरकारी राशि का आहरण कर लिया गया। जब इस पर सवाल उठते हैं, तो यह भ्रष्ट सिंडिकेट जीएसटी बिल का बहाना बनाकर अपना पल्ला झाड़ लेता है।

15 दिन बाद भी ठंडे बस्ते में जांच की फाइल

कुछ दिनों पूर्व हरिभूमि ने छपडौर पंचायत के ही नउवा ढोढ़ नाले (धखोदर रोड) पर बने चेकडैम घोटाले का भी भंडाफोड़ किया था। अखबार की धमक के बाद आनन-फानन में जांच टीम तो गठित कर दी गई, लेकिन दो सप्ताह से अधिक का समय बीत जाने के बाद भी नतीजा ढाक के तीन पात ही रहा। मानपुर जनपद पंचायत में पदस्थ एपीओ राजेश जाटव से जब भी इस संबंध में संपर्क करने की कोशिश की गई, तो उन्होंने कभी छुट्टी पर होने का तो कभी स्वास्थ्य खराब होने का घिसा-पिटा नाटक रच दिया। मजे की बात यह है कि एक तरफ एपीओ साहब बीमारी और छुट्टी का बहाना बना रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ उन्हें जनपद कार्यालय में ही घूमते हुए देखा गया है। इससे साफ जाहिर होता है कि या तो जांच दल का गठन किया ही नहीं गया या फिर छपडौर पंचायत की जांच फाइल को डस्टबिन के हवाले कर मामले को दबाने की पूरी सेटिंग हो चुकी है।

जिला प्रशासन के डंडे का इंतजार

छपडौर पंचायत के जिम्मेदार अधिकारी, इंजीनियर और जनप्रतिनिधि शायद इस मुगालते में हैं कि अखबार में खबरें छपने से उनका कुछ नहीं बिगड़ेगा, लेकिन हरिभूमि प्रशासन को सचेत करता है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ हमारी पैनी नजर हर फाइल पर बनी रहेगी। अब कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय और जिला पंचायत सीईओ अभय सिंह ओहरिया से सीधे तौर पर जनता की अपेक्षा है कि वे इस दलबलहार नाला चेकडैम घोटाले की उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच कराएं। जब तक भ्रष्ट सरपंच, सचिव और सब-इंजीनियर पर दंडात्मक और कानूनी कार्रवाई नहीं होगी, तब तक सरकारी पैसे की यह लूट रुकने वाली नहीं है।

एसडीएम बांधवगढ़ ने उमरार डेम का किया निरीक्षण

मछुआरों को वितरित की लाइफ जैकेट

उमरिया। एसडीएम बांधवगढ़ अम्बिकेश प्रताप सिंह ने उमरार डेम का निरीक्षण कर वहां संचालित मत्स्य समिति के मछुआरों से मुलाकात की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मछुआरों से शासन द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, योजनाओं एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की तथा उनकी समस्याएं भी सुनीं। एसडीएम ने मछुआरों को जलाशय में कार्य करते समय सुरक्षा के प्रति विशेष रूप से जागरूक रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि वर्षाकाल एवं गहरे जल क्षेत्रों में कार्य के दौरान किसी भी प्रकार की दुर्घटना से बचाव के लिए सुरक्षा उपकरणों का उपयोग अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर उन्होंने मछुआरों को लाइफ जैकेट वितरित करते हुए निर्देश दिए कि वे नाव संचालन एवं मछली पकडऩे के दौरान अनिवार्य रूप से लाइफ जैकेट पहनें।
उन्होंने कहा कि छोटी सी सावधानी बड़े हादसों को टाल सकती है। शासन का उद्देश्य मछुआरों की आजीविका के साथ-साथ उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना भी है। मछुआरों ने प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराई गई सुरक्षा सामग्री के लिए आभार व्यक्त किया तथा सुरक्षा संबंधी निर्देशों का पालन करने का संकल्प लिया। निरीक्षण के दौरान मत्स्य विभाग से जी एस लाल एवं समिति के सदस्य भी उपस्थित रहे।

आर्मी टीम ने किया संभावित प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण

बाढ़ आपदा से निपटने की तैयारी

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय के निर्देशानुसार एवं राहत शाखा प्रभारी संयुक्त कलेक्टर के मार्गदर्शन में वन सिग्नल ट्रेनिंग सेंटर जबलपुर की आर्मी टीम द्वारा जिले के संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का रैकी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण का उद्देश्य वर्षा ऋतु में संभावित बाढ़ आपदा की स्थिति में त्वरित राहत एवं बचाव कार्यों की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करना था। निरीक्षण के दौरान आर्मी टीम एवं तहसीलदार मानपुर ने उन स्थानों का चयन किया, जहां आपातकालीन परिस्थितियों में सेना अपनी अस्थायी राहत एवं बचाव चौकियां

स्थापित कर सकेगी। मानपुर क्षेत्र में चतुर्भुज घाट एवं बलहौड़ तथा इंदवार क्षेत्र में इंदवार एवं भोगगढ़ घाट सहित कुल चार महत्वपूर्ण स्थानों को चिन्हित किया गया।इन स्थानों से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों तक त्वरित पहुंच सुनिश्चित कर राहत एवं बचाव कार्य संचालित किए जाएंगे। निरीक्षण के दौरान आर्मी टीम के अधिकारियों के साथ तहसीलदार मानपुर, नायब तहसीलदार मानपुर एवं प्लाटून कमांडर राहुल कुमार साहू उपस्थित रहे। प्रशासन एवं सेना के इस संयुक्त प्रयास से जिले में आपदा प्रबंधन व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने में मदद मिलेगी तथा आवश्यकता पडऩे पर प्रभावित लोगों को शीघ्र सहायता उपलब्ध कराई जा सकेगी।

कोयलांचल में पत्रकार एकता का ऐतिहासिक संगम, पत्रकारिता के सरोकारों पर हुआ मंथन

एक मंच पर आए शहडोल संभाग से लेकर छत्तीसगढ़ तक के पत्रकार

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना। कोयलांचल क्षेत्र में पत्रकार एकता और पत्रकारिता के मूल्यों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से आयोजित पत्रकार संगोष्ठी हर्षोल्लास, सौहार्द एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। इस संगोष्ठी में शहडोल संभाग सहित छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों से आए वरिष्ठ एवं युवा पत्रकारों ने सहभागिता कर पत्रकारिता के समक्ष उपस्थित चुनौतियों, सामाजिक सरोकारों, संगठनात्मक मजबूती तथा पत्रकार हितों से जुड़े विषयों पर गंभीर विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इसके पश्चात उपस्थित सभी अतिथियों, वरिष्ठ पत्रकारों एवं पत्रकार साथियों का शाल, श्रीफल, स्मृति-चिन्ह एवं पुष्पमाला पहनाकर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। समारोह में मंचासीन वरिष्ठ पत्रकारों एवं अतिथियों में सुनील चौरसिया, बृजेश सिरमौर, कैलाश पांडे, कैलाश लालवानी, सूरज श्रीवास्तव, अरुण द्विवेदी, भारत मिश्रा, नरेश वर्मा, हटेश्वर शर्मा, नीलू रजक, नूर मोहम्मद तन्हा, मनोज सिंह एवं मृगेंद्र सिंह सहित अनेक वरिष्ठ पत्रकार उपस्थित रहे। वहीं राजकुमार यादव, अभिलाष मिश्रा, सिक्की मिश्रा, विनय उपाध्याय, प्रदीप उपाध्याय, बीएल सिंह चौहान, राजा मिश्रा, शिव लखन, राजकुमार साहू, जयप्रकाश, संदीप साहू, विकास साहू, बृजनंदन, अजय चौरसिया, दिनेश केवट, डबलू मिश्रा, मुख्तार अहमद, रंजीत नामदेव, राहुल कुशवाहा, बबलू पंडित सहित बड़ी संख्या में पत्रकारों एवं गणमान्य नागरिकों ने संगोष्ठी में सहभागिता कर कार्यक्रम को सफल बनाया। संगोष्ठी की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि इसमें 25, 30 और 40 वर्षों से पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकारों को एक ही मंच पर अपने अनुभव साझा करने का अवसर मिला। वरिष्ठ पत्रकारों ने वर्तमान दौर की पत्रकारिता, सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव, निष्पक्ष समाचारों की आवश्यकता, पत्रकार सुरक्षा, पत्रकारों की सामाजिक भूमिका तथा संगठन की मजबूती जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार रखे। युवा पत्रकारों ने भी वरिष्ठों के अनुभवों से सीख लेते हुए पत्रकारिता के बदलते स्वरूप पर अपने सुझाव प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि पत्रकारिता केवल समाचारों का संकलन नहीं, बल्कि समाज और शासन-प्रशासन के बीच संवाद का एक सशक्त माध्यम है। पत्रकारों को सत्य, निष्पक्षता और जनहित को सर्वोपरि रखते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए। साथ ही पत्रकारों की एकजुटता समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है, जिससे पत्रकार हितों और सामाजिक सरोकारों की लड़ाई को और अधिक मजबूती मिल सके।वरिष्ठ पत्रकार कैलाश लालवानी ने कहा कि पत्रकारिता केवल एक पेशा नहीं, बल्कि समाज के प्रति एक महत्वपूर्ण दायित्व है। आज जब सूचना के अनेक माध्यम उपलब्ध हैं, तब पत्रकारों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है कि वे सत्य एवं प्रमाणिक तथ्यों को समाज के सामने रखें। उन्होंने कहा कि पत्रकारों की एकजुटता ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है और ऐसे आयोजन पत्रकारिता के मूल्यों को मजबूत करने का कार्य करते हैं। वरिष्ठ पत्रकार डॉ. सुनील कुमार चौरसिया ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान समय में पत्रकारिता अनेक चुनौतियों के दौर से गुजर रही है। ऐसे समय में निष्पक्ष, निर्भीक और जनहितकारी पत्रकारिता की आवश्यकता पहले से अधिक है। उन्होंने कहा कि पत्रकार समाज का दर्पण होता है और उसे बिना किसी दबाव के जनता की आवाज को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने का कार्य करना चाहिए। इस प्रकार की संगोष्ठियां पत्रकारों के बीच संवाद और अनुभवों के आदान-प्रदान का सशक्त माध्यम बनती हैं। कोयलांचल क्षेत्र में आयोजित इस संगोष्ठी को पत्रकार एकता के महत्वपूर्ण प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। लंबे समय बाद विभिन्न समाचार पत्रों, चौनलों एवं डिजिटल मीडिया से जुड़े पत्रकार एक मंच पर दिखाई दिए, जिससे आपसी संवाद और समन्वय को नई दिशा मिली। उपस्थित पत्रकारों ने आयोजन की सराहना करते हुए इसे पत्रकार समाज के लिए प्रेरणादायी पहल बताया। आयोजक संतोष चौरसिया ने कहा कि इस संगोष्ठी का उद्देश्य पत्रकारों को एक मंच पर लाकर पत्रकारिता के सरोकारों, चुनौतियों और संगठनात्मक विषयों पर खुलकर चर्चा करना था। उन्होंने कहा कि शहडोल संभाग और छत्तीसगढ़ के पत्रकारों की सहभागिता ने इस आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया है। भविष्य में भी पत्रकार हितों एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े ऐसे आयोजन निरंतर किए जाएंगे, जिससे पत्रकार एकता और मजबूत हो सके। कार्यक्रम का सफल एवं प्रभावी संचालन दिवाकर विश्वकर्मा द्वारा किया गया। संगोष्ठी में सभी अतिथियों एवं पत्रकार साथियों का स्वागत भाषण एवं अभिनंदन संतोष चौरसिया ने किया तथा अंत में उपस्थित सभी जनों के प्रति आभार व्यक्त किया। संगोष्ठी के समापन अवसर पर उपस्थित पत्रकारों ने आयोजक संतोष चौरसिया एवं आयोजन समिति के सभी सदस्यों को सफल आयोजन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। सभी ने आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी ऐसे आयोजन होते रहेंगे, जिससे पत्रकारिता के मूल्यों को मजबूती मिलेगी और पत्रकारों के बीच एकता, सहयोग एवं समन्वय की भावना और अधिक प्रगाढ़ होगी।

बाल श्रम एवं बाल तस्करी के खिलाफ लिया गया शपथ

अंतरराष्ट्रीय बाल श्रम एवं बाल तस्करी पर कार्यशाला आयोजित

जस्ट राइट्स फार चिल्ड्रेन एवं आरपीएफ अनूपपुर का संयुक्त आयोजन

हरिभूमि न्यूजअनूपपुर। अंतरराष्ट्रीय बाल श्रम एवं बाल तस्करी दिवस पर आरपीएफ सभागार अनूपपुर में जस्ट राइट्स एवं आरपीएफ द्वारा संयुक्त रूप से कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में रेल्वे अनूपपुर, होलिस्टिक एक्शन रिसर्च एंड डेवलपमेंट, बाल कल्याण समिति, महिला बाल विकास विभाग, श्रम विभाग के प्रतिनिधियों सहित स्थानीय वेंडर एवं कुली शामिल हुए। कार्यक्रम में विषय प्रवेश कराते हुए होलिस्टिक एक्शन रिसर्च डेवलपमेंट संस्था के भूपेन्द्र त्रिपाठी ने कहा कि जून माह को बाल श्रम के खिलाफ एक्शन मन्थ के रूप में मनाया जाता चूंकि बाल दुर्व्यापार बाल मजदूरी का मुख्य कारण है, इसलिए नागरिक समाज संगठन इस दौरान पुलिस व प्रशाशन के साथ मिलकर बाल तस्करों और उनके गठजोड़ की शिनाख्त के लिए कड़ी नजर रखने की जरूरत है। इसी तारतम्य में आज के इस कार्यशाला का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि मोहन पटेल अध्यक्ष बाल कल्याण समिति अनूपपुर ने अपनी बात रखते हुए बालकल्याण समिति के कार्य एवं शासन की कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कार्यक्रम की मुख्य अतिथि आरपीएफ इंस्पेक्टर अनूपपुर मधुबाला पात्र ने कहा कि यह अभियान बहुत जरूरी है, हम सभी को बच्चों के हित में सघन जागरूकता चला रहे हैं, हमारी एक मजबूत टीम बनी है। इसमे अभी और सक्रियता लाने की आवश्यकता है। जिससे हम बाल श्रम एवं बाल तस्करी पर रोक लगा सकें। वेंडरों से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि बालिकाओं के मामले में अक्सर हम पैरवी करने से डरते है, हमे डर को दूर करना होगा। उन्होंने रेलवे स्टेशन अनूपपुर में बाल तस्करी एवं बाल श्रम पर एक हेल्पडेस्क खोलने का प्रस्ताव रखा। जिसका जस्ट राइट्स फार चिल्ड्रेन के शुशील शर्मा एवं बालकल्याण समिति अनूपपुर के अध्यक्ष में समर्थन करते हुए प्रयास करने के लिए कहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जस्ट राइट्स फार चिल्ड्रेन के अनूपपुर के डायरेक्टर शुशील शर्मा ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि जस्ट राइट्स फार चिल्ड्रेन विभागों के साथ मिलकर बच्चों के लिए सुरक्षा पूर्ण वातावरण बनाने का काम कर रहा है। चूंकि ट्रेन आवागमन का सहज एवं सस्ता साधन है, इससे बच्चों की तस्करी की संभवना बढ़ जाती है। इस लिए इस कार्यक्रम के लिए हमने रेल्वे स्टेशन का चयन किया हैं। रेल्वे स्टेशन अनूपपुर एक बड़ा जक्शन है एवं गांवों से जुड़ा है इसलिए यहाँ के वेंडर भाइयों जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। हम आपसे आग्रह करते हैं अगर बाल तस्करी एवं मानव तस्करी के मामले दिखते हैं तो आप संस्था का सहयोग ले सकते हैं साथ ही चाईल्ड हेल्पलाइन 1098 एवं आपात कालीन नम्बर 112 का उपयोग कर सकते हैं। उन्होंने सभी से इस अभियान को सफल बनाने का अपील किया। आभार प्रदर्शन सामाजिक कार्यकर्ता दिव्या राव ने किया। कार्यक्रम में पीएस कुलस्ते जीआरपी, रामचंद्र पटेल श्रम विभाग, अशोक त्रिपाठी, राजेन्द्र मिश्रा, राजकुमार, जसवीर सिंह, एके दास, एएल साहू, केके द्विवेदी, आरके केवट की उपस्थिति रही। कार्यक्रम को सफल बनाने में उत्तरा सिंह राठौर, राजन प्रसाद नामदेव का विशेष सहयोग रहा।

खबर संक्षेप

आबकारी विभाग ने 102 पाव देशी मदिरा क जब्त

कटनी। जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, विक्रय एवं परिवहन के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर आबकारी विभाग द्वारा कार्रवाई का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में आबकारी वृत्त बड़वारा की टीम द्वारा ग्राम कोटेश्वर, थाना बरही क्षेत्र में दबिश दी गई। दबिश के दौरान पुरषोत्तम यादव के रिहायशी मकान के समक्ष विधिवत पंचनामा बनाकर तलाशी ली गई। तलाशी में 102 पाव देशी प्लेन मदिरा बरामद हुई, जिसे मौके पर ही जब्त कर लिया गया। इस प्रकरण में मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1) (क) के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। साथ ही संबंधित व्यक्ति को भविष्य में अवैध रूप से शराब विक्रय न करने की सख्त हिदायत दी गई। यह कार्रवाई आबकारी उपनिरीक्षक केशव उइके के नेतृत्व में की गई, जिसमें आबकारी आरक्षक किसन लाल बरदिया का योगदान रहा।

पड़ोसियों के बीच खूनी संघर्ष, लाठी-डंडे चले

कटनी। कुठला थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पिपरिया परौहा में दो पड़ोसियों के बीच जमकर लाठी-डंडे चल गए। इस खूनी संघर्ष में दोनों पक्षों के लोग घायल हुए हैं, जिनकी शिकायत पर कुठला पुलिस ने काउंटर मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, पहले पक्ष से धान बाई रजक पति बसंतलाल, 52 वर्ष ने शिकायत दर्ज कराई कि 11 जून की सुबह करीब 8 बजे उनके घर के सामने रहने वाली लक्ष्मी बाई रजक और आनंद रजक ने एक राय होकर गाली-गलौज की और लाठी से मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। वहीं, इसके जवाब में दूसरे पक्ष की लक्ष्मी बाई रजक पति संतोष 35 वर्ष ने पुलिस को बताया कि धान बाई, राहुल रजक और विनय रजक ने उनके घर में घुसकर गाली-गलौज की और जानलेवा हमला कर दिया। इस मारपीट में आनंद और लक्ष्मी बाई को गंभीर चोटें आई हैं। कुठला पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफ मामला दर्ज कर मामले को जांच में लिया है।

नवागत एएसपी कमल मौर्य ने संभाला कार्यभार

कटनी। नवागत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य ने शुक्रवार को अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया। वर्ष 2001 बैच के अधिकारी श्री मौर्य का हाल ही में मुरैना से कटनी स्थानांतरण किया गया है। श्री मौर्य के कार्यभार ग्रहण करने के साथ ही पुलिस प्रशासन को उनके लंबे अनुभव और प्रशासनिक दक्षता का लाभ मिलेगा। पुलिस विभाग में उनकी पहचान एक अनुशासित, कुशल एवं प्रभावी अधिकारी के रूप में रही है। उनके कटनी आगमन से कानून व्यवस्था और पुलिस कार्यप्रणाली को और मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

बाकल क्षेत्र में मां व बेटी से लखापतेरी में युवक से की गई मारपीट

कटनी। माधवनगर और बाकल थाना क्षेत्रों में मारपीट के दो अलग-अलग मामले सामने आए हैं, जहां आरोपियों ने घेरकर पीड़ितों की पिटाई कर दी। माधवनगर थाना अंतर्गत लखापतेरी स्थित फार्म हाउस पर रहने वाले भोला राम कुशवाहा 35 वर्ष पर गांव के ही धर्मेंद्र और गोविंदा ने हमला कर दिया। 11 जून की दोपहर करीब 1:30 बजे आरोपियों ने एक राय होकर भोला राम को रोका, गालियां दीं और जमकर मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी। शिकायत पर माधवनगर पुलिस ने अपराध दर्ज किया है। इसी तरह बाकल थाना क्षेत्र के ग्राम चनपुरा में घर के बाहर आंगन में बैठी एक महिला और उसकी बेटी के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। रंची बाई चौधरी 47 वर्ष ने पुलिस को बताया कि गांव की ही चमेली बाई और मीना चौधरी उनके आंगन में घुस आईं और पुरानी बात को लेकर गाली-गलौज करते हुए रंची बाई और उसकी बेटी सुकमारी की बेरहमी से पिटाई कर दी। बाकल पुलिस ने आरोपियों पर अपराध दर्ज किया है।

शहडोल में 'प्रासंगिक' दिल्ली की नाट्य प्रस्तुतिः

उसके साथ ने दर्शकों को झकझोरा, देशव्यापी सफर का बना गवाह

शहडोल। स्थानीय होटल शुभम पैलेस में चल रहे 11 दिवसीय नाट्य रंग महोत्सव की पांचवी संध्या (12 जून 2026) को एक बेहद संवेदनशील और गंभीर विषय पर आधारित नाटक का मंचन किया गया। 'प्रासंगिक' संस्था, दिल्ली द्वारा प्रस्तुत नाटक उसके साथ ने अपनी मर्मस्पर्शी कहानी और कलाकारों के जीवंत अभिनय से वहां मौजूद सभी दर्शकों को भावुक कर दिया।

मुंबई की सत्य घटना पर आधारित है नाटक

जाने-माने रंगकर्मी आलोक शुक्ला द्वारा लिखित और निर्देशित यह बहुचर्चित नाटक एक रेप पीड़िता की दिल दहला देने वाली सत्य घटना पर केंद्रित है। यह नाटक समाज की संवेदनशीलता और न्याय प्रणाली पर गहरे सवाल खड़े करता है। दर्शकों के बीच बेहद लोकप्रिय हो चुका यह नाटक लेखक आलोक शुक्ला के वर्ष 2021 में प्रकाशित पहले नाट्य संग्रह "ख्वाबों के सात रंग" में संग्रहित है। देश के कई अन्य रंगकर्मी भी समय-समय पर इसका मंचन करते रहे हैं।

मंच पर 'उसके साथ' का 11वां सफर

शहडोल में आयोजित हुआ यह मंचन इस नाटक का 11वां सफल मंचन था। इसका सफरनामा बेहद शानदार रहा है:दिसंबर 2019: ब्रह्मकुमारी विश्वविद्यालय सभागार, रीवा (म.प्र.) में बहु-पात्रीय प्रथम मंचन।,22 जनवरी 2024: एलटीजी (LTG) सभागार, नई दिल्ली में द्वि-पात्रीय मंचन।वर्ष 2024 के अन्य मंचनः सहारनपुर (15 फरवरी), गिरडीह (10 मार्च), मुंबई (18 और 19 मई), द्वारका नई दिल्ली (20 जुलाई) और अलवर (23 दिसंबर)।वर्ष 2026 के हालिया मंचनः इंदौर (26 अप्रैल) और हाल ही में 24 मई 2026 को नई दिल्ली के एलटीजी सभागार के 'ब्लैक कैनवास स्टूडियो' में इसका प्रदर्शन हुआ, जिसके बाद अब शहडोल की जनता को इसे देखने का अवसर मिला।

इन कलाकारों और तकनीशियनों ने बांधा समां

मंच पर कविता, टेकचंद, सिमरन, अंजलि, विनय शर्मा और स्वयं आलोक शुक्ला ने अपने बेहतरीन अभिनय से किरदारों को जीवंत किया। नाटक की सफलता में पर्दे के पीछे के कलाकारों का भी विशेष योगदान रहा:संगीत संयोजनः अभ्युदय मिश्रा एवं आशीष मित्तल,प्रकाश व मंच परिकल्पनाः टेकचंद (सहायकः विनय),ध्वनिः विनय शर्मा,वस्त्र एवं रूप सज्जाः विजय लक्ष्मी एवं नीतू शुक्लानृत्य एवं प्रचारः निखिल कुमार,नेपथ्य प्रमुखः प्रताप सिंह

ऐतिहासिक प्रयास

शहडोल के इतिहास में यह पहली बार है जब रंगमंच की ओर से इतना बड़ा प्रयास किया जा रहा है। 'सम्पूर्ण नाट्य एवं लोक कला समिति, शहडोल' द्वारा आयोजित इस 11 दिवसीय नाट्य रंग महोत्सव में देश-प्रदेश भर के नामचीन कलाकारों और रंग समूहों को आमंत्रित किया गया है।इस भव्य आयोजन का संयोजन स्थानीय रंगकर्मी लकी चतुर्वेदी कर रहे हैं, जबकि मंच संचालन का कुशल कार्य प्राप्ति सोनी द्वारा किया जा रहा है।आयोजकों की अपीलःआयोजकों ने शहडोल के समस्त कला प्रेमियों और प्रबुद्ध दर्शकों से अपील की है कि वे 18 जून 2026 तक चलने वाले इस महोत्सव में प्रतिदिन शाम 7 बजे होटल शुभम पैलेस पहुंचकर कलाकारों का उत्साहवर्धन करें और इस सांस्कृतिक महाकुंभ को सफल बनाने में अपना सहयोग दें।

सड़क सुरक्षा अभियानः बुढार पुलिस ने 32 दो पहिया ऑटो वाहनों पर की चालानी कार्रवाई, दी सख्त चेतावनी

यातायात नियमों के उल्लंघन पर पुलिस सख्त, दस्तावेज न मिलने पर काटे चालान; वाहन चालकों को सिखाया सुरक्षा का पाठ

बुढार। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने, सुरक्षा को बढ़ावा देने और आम जनता को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से जिला पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव के निर्देशन में पिछले 9 जून से विशेष सड़क सुरक्षा अभियान चलाया जा रहा है।

इसी कड़ी में नियमित जांच अभियान के दौरान थाना प्रभारी विनय सिंह गहरवार ने अपने दलबल के साथ शहर के विभिन्न मुख्य चौराहों पर शुक्रवार को सघन वाहन चेकिंग की।

32 दोपहिया और एक ऑटो पर गिरी गाज

चेकिंग के दौरान पुलिस ने नियमों के विरुद्ध वाहन चलाने वाले 32 दोपहिया वाहन चालकों और एक ऑटो रिक्शा को रोका। मौके पर वाहनों से संबंधित वैध दस्तावेज (कागज) प्रस्तुत न करने पर पुलिस ने तुरंत चालानी कार्रवाई की।सराहनीय पहलः पुलिस ने इन वाहन चालकों पर केवल जुर्माना लगाने के बजाय उन्हें रोककर सड़क सुरक्षा का वास्तविक महत्व समझाया। पुलिस की इस अनूठी और समझाइश भरी पहल की वाहन चालकों ने भी सराहना की और भविष्य में अनिवार्य रूप से नियमों का पालन करने का संकल्प लिया।

लापरवाही बरतने पर दी गई सख्त चेतावनी

वाहन चालकों को समझाइश देने के साथ ही पुलिस ने सख्त लहजे में हिदायत भी दी है। अधिकारियों ने दो-टूक शब्दों में स्पष्ट किया कि नंबर प्लेट अनिवार्यः वाहन की सही पहचान और सुरक्षा के लिहाज से गाड़ी पर नंबर प्लेट एवं हेलमेट का होना बेहद अनिवार्य है।होगी दंडात्मक कार्रवाईः भविष्य में यदि कोई भी वाहन चालक बिना नंबर प्लेट, बिना वैध दस्तावेजों के गाड़ी चलाते या यातायात नियमों का उल्लंघन करते पाया गया, तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी व दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

इनकी रही सराहनीय भूमिका

इस पूरी कार्रवाई और चेकिंग अभियान को अमलीजामा पहनाने में एएसआई राजेन्द्र तिवारी, ज्ञानेंद्र सिंह, प्रधान आरक्षक गजेन्द्र सिंह, दशरथ और आरक्षक गोपाल सिंह की सराहनीय भूमिका रही।

अतिक्रमण से सिकुड़ रही धनपुरी की सड़कें जनता बोली- आखिर कब जागेगा प्रशासन?

बगिया नल से नरगदा पुल तक कब्जों का जाल, एंबुलेंस और दमकल वाहन तक फंसने की आशंका, असामाजिक तत्वों के जमावड़े से व्यापारियों व महिलाओं में भय

धनपुरी। नगर पालिका परिषद धनपुरी क्षेत्र में लगातार बढ़ते अतिक्रमण और अव्यवस्थित बाजार व्यवस्था को लेकर नागरिकों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। नगर के प्रमुख मार्गों पर वर्षों से फैले अतिक्रमण के कारण सड़कें लगातार संकरी होती जा रही हैं, जिससे आम लोगों के साथ-साथ आपातकालीन सेवाओं को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि बगिया नल से लेकर नरगदा पुल तक सड़क किनारे किए गए स्थायी एवं अस्थायी अतिक्रमणों ने यातायात व्यवस्था को पूरी तरह प्रभावित कर दिया है। कई स्थानों पर स्थिति ऐसी बन गई है कि दो चारपहिया वाहन एक साथ निकलने में भी कठिनाई महसूस करते हैं। नागरिकों का कहना है कि यदि किसी समय आग लगने जैसी बड़ी घटना हो जाए या एंबुलेंस को तत्काल पहुंचना पड़े तो गंभीर स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

नोटिस के बाद भी नहीं हट रहा अतिक्रमण

जानकारी के अनुसार नगर पालिका परिषद द्वारा पूर्व में कई बार अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी किए गए, लेकिन उसके बावजूद अधिकांश स्थानों पर अतिक्रमण जस का तस बना हुआ है। इससे लोगों के बीच यह चर्चा भी चल रही है कि आखिर प्रशासन की कार्रवाई प्रभावी क्यों नहीं हो पा रही है। नागरिकों का आरोप है कि अतिक्रमण हटाने के लिए समय-समय पर अभियान की घोषणाएं तो होती हैं, लेकिन स्थायी समाधान नहीं निकल पा रहा है। लोगों ने जिला प्रशासन से सख्त कार्रवाई कर नगर को अतिक्रमण मुक्त बनाने की मांग की है।

सब्जी मंडी क्षेत्र में असामाजिक तत्वों का जमावड़ा

धनपुरी गोल बाजार स्थित सब्जी मंडी क्षेत्र इन दिनों एक अन्य समस्या से भी जूझ रहा है। स्थानीय व्यापारियों के अनुसार सुबह से लेकर देर शाम तक यहां असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है। कई बार इनके बीच गाली-गलौज और मारपीट की घटनाएं भी सामने आती रहती हैं, जिससे बाजार का माहौल प्रभावित होता है। व्यापारियों का कहना है कि नशे की हालत में घूमने वाले कुछ लोगों के कारण ग्राहकों, विशेषकर महिलाओं और युवतियों को असहज परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। इससे बाजार आने वाले परिवारों में भी भय का वातावरण बन रहा है।

मुख्य मार्ग पर लगते हैं ठेले, बढ़ती है अव्यवस्था

नगर के मुख्य बाजार क्षेत्र में चाट, फल, सब्जी और मोमोज के ठेलों की संख्या लगातार बढ़ रही है। सड़क किनारे लगने वाले इन ठेलों के कारण यातायात बाधित होता है और भीड़भाड़ बढ़ जाती है। स्थानीय लोगों का सुझाव है कि इन अस्थायी व्यवसायों के लिए नगर के किसी अन्य उपयुक्त स्थान, जैसे बड़ी बाजार क्षेत्र, मइया परिसर के आसपास या पार्क के समीप व्यवस्थित बाजार विकसित किया जाए, जिससे मुख्य मार्गों पर दबाव कम हो सके।

व्यापारियों ने की सख्त कार्रवाई की मांग

नगर के व्यापारियों और रहवासियों ने जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन एवं नगर पालिका परिषद से मांग की है कि अतिक्रमण हटाने, असामाजिक तत्वों पर नियंत्रण करने तथा बाजार व्यवस्था को सुव्यवस्थित बनाने के लिए संयुक्त अभियान चलाया जाए। उनका कहना है कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो भविष्य में कोई बड़ी दुर्घटना या अप्रिय घटना हो सकती है।नागरिकों का कहना है कि नगर के विकास और सुचारू यातायात व्यवस्था के लिए अतिक्रमण मुक्त सड़कें तथा सुरक्षित बाजार वातावरण बेहद आवश्यक है।

झलवार में 24 घंटे के भीतर बाघ ने फिर किया शिकार

वन अमले की लापरवाही से थर्राया इलाका

मानपुर। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व का पनपथा कोर और उससे लगा ग्रामीण क्षेत्र इस वक्त खौफ के साए में जी रहा है। वन विभाग की घोर लापरवाही और सुस्त गश्त प्रणाली के कारण वन्यजीवों के हौसले बुलंद हैं, जिसका खामियाजा निर्दोष ग्रामीणों को अपनी जान देकर भुगतना पड़ रहा है। ग्राम झलवार में महज 24 घंटे के भीतर बाघ ने लगातार दूसरी बड़ी वारदात को अंजाम देते हुए एक युवक को मौत के घाट उतार दिया है। इस दोहरे हत्याकांड जैसी स्थिति के बाद पूरे इलाके में हाहाकार मचा हुआ है और ग्रामीणों का गुस्सा सातवें आसमान पर है।

शव के पास ही डटा रहा आदमखोर

शुक्रवार को ग्राम झलवार निवासी 30 वर्षीय युवक कल्याण सिंह पिता रामकृपाल सिंह जंगल से लगे क्षेत्र की ओर गया था। युवक मानसिक रूप से थोड़ा अस्वस्थ था। इसी दौरान घात लगाकर बैठे बाघ ने उस पर जानलेवा हमला कर दिया। हमला इतना खूंखार था कि युवक को संभलने का मौका तक नहीं मिला और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। जब ग्रामीण घटनास्थल की ओर दौड़े, तो वहां का नजारा देखकर उनके रोंगटे खड़े हो गए। शिकार करने के बाद भी बाघ शव के पास ही डटा हुआ था और लगातार गुर्रा रहा था। बाघ की आक्रामक मौजूदगी को देखकर कोई भी पास जाने की हिम्मत नहीं जुटा सका। सूचना के घंटों बाद जब वन विभाग और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची, तब कहीं जाकर शव को रेस्क्यू करने की कवायद शुरू हो सकी।

24 घंटे में दो मौतें

झलवार गांव में यह लगातार दूसरा दिन है, जब किसी घर का चिराग बुझा है। ठीक 24 घंटे पहले, इसी क्षेत्र में महुआ बीनने गई एक बेबस महिला को भी बाघ ने अपना निवाला बना लिया था। 24 घंटे के भीतर दो इंसानी मौतों ने वन विभाग के सुरक्षा और गश्त के दावों की पोल खोलकर रख दी है। पहली घटना के तुरंत बाद पूरे क्षेत्र को हाई अलर्ट पर क्यों नहीं डाला गया। जब विभाग को पता था कि बाघ इंसानी आबादी के करीब घूम रहा है, तो संवेदनशील इलाकों में पिंजरा लगाने या बाघ को खदेड़ने की मुस्तैदी क्यों नहीं दिखाई गई? क्या वन विभाग किसी तीसरे बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है?

सुरक्षा की गारंटी चाहिए

इस दोहरे हादसे के बाद झलवार सहित आसपास के दर्जनों गांवों में मातम पसरा हुआ है। ग्रामीण अब घरों से निकलने में भी कतरा रहे हैं। घटना के बाद हमेशा की तरह वन विभाग ने अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ते हुए ग्रामीणों को जंगल न जाने की कागजी नसीहत जारी कर दी है। इस पर ग्रामीणों का साफ कहना है कि उन्हें विभाग के खोखले आश्वासन नहीं, बल्कि धरातल पर सुरक्षा की ठोस गारंटी चाहिए। ग्रामीणों ने उग्र रुख अपनाते हुए मांग की है कि तत्काल प्रभाव से क्षेत्र में हाथियों से गश्त बढ़ाई जाए, आदमखोर हो रहे बाघ को ट्रेंकुलाइज कर वहां से हटाया जाए और पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा दिया जाए। यदि वन विभाग ने अपनी कुंभकर्णी नींद नहीं तोड़ी, तो ग्रामीण उग्र आंदोलन के लिए मजबूर होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी पार्क प्रबंधन की होगी।

सरपंच व सचिव दे रहे हैं धमकी

ग्राम पंचायत साखी में पी सी सी रोड़ में घटिया निर्माण हो रहा है जनता के द्वारा घटिया निर्माण का विरोध करने जनपद पंचायत ब्योहारी के पास कुछ असमाजिक तत्वों से सरपंच व सचिव के अश्लील गाली व धमकी दी जाती है जिसकी शिकायत थाना में दर्ज कराई गई।

ब्योहारी। ब्योहारी जनपद पंचायत क्षेत्र के ग्राम पंचायत साखी में महुहार टोला वार्ड 1 में सड़क निर्माण का कार्य किया जा रहा है जिससे जनपद पंचायत के सब इन्जीनियर के ले आउट के आधार पर निर्माण किया जाना चाहिए लेकिन सरपंच व सचिव एजेंसी के द्वारा अपनी मनमानी ढंग से निर्माण कार्य करबा रहे हैं जिसका गांव कि जनता द्वारा निर्मित सड़क पर घटित निर्माण कार्य देख सरपंच व सचिव से लेआउट मांग लिया सरपंच व सचिव आग बबूला हो गया फिर क्या लोगों के द्वारा निर्माण कार्य का फोटो व वीडियो बनाने लगे लेकिन सरपंच व सचिव सड़क मिट्टी डालकर बालू कि मात्रा ज्यादा कर कुछ मात्रा

सीमेंट डाल कर सड़क निर्माण कार्य कर रहा है जब गांवों वाले विरोध किया तो ब्योहारी जनपद पंचायत के पास कुछ असामाजिक तत्वों के माध्यम से फोन में अश्लील गाली व धमकी देते हुए ब्योहारी आने पर देख लेनें कि धमकी देते हुए कहता कि हमारे इसारे में जनपद पंचायत के सभी कर्मचारियों मुठ्ठी है वहां जनता कुछ नहीं कर सकतीं हैं ये भी कहा जाता है कि कुछ ग्राम पंचायत में बालू सीमेंट गिट्टी लोहा जैसे सामान्य को बिल बाउचर लगाता है और कई ग्राम पंचायतों के सरपंच सचिव को जनपद पंचायत के कुछ अधिकारी के साथ ब्लैक मेल करता है* सांखी ग्राम पंचायत कि जनता के द्वारा मांग कि वर्तमान निर्माण कार्य कि जिला प्रशासन जांच कर दोषी के खिलाफ शक्त कार्यवाही करें नहीं तो जनता सरपंच सचिव के खिलाफ धरना प्रदर्शन करने को तैयार हैं साथ जनपद पंचायत के पास बैठे असामाजिक तत्वों जो जनता को अश्लील गाली दिया उसके उपर मामला क़ायम हो।

जेवरात एवं नकदी किया पार

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

बहोरीबंद थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम डिहुटा में चोरों ने एक सूने मकान को निशाना बनाते हुए चोरी की बड़ी वारदात को अंजाम दिया है। अज्ञात चोर ने देर रात घर की दीवार में सेंध लगाकर भीतर प्रवेश किया और सोने-चांदी के जेवरातों समेत नकदी पर हाथ साफ कर दिया। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम डिहुटा निवासी दिलीप कुमार चौधरी 19 वर्ष के घर पर बीते 11 जून की दरमियानी रात चोरों ने धावा बोला। वारदात रात करीब 2:00 बजे से सुबह 5:00 बजे के बीच की बताई जा रही है, जब परिवार के लोग सो रहे थे।

आदिवासियों के आशियानों पर बुलडोजर कार्यवाही से सियासत में भूचाल

कांग्रेस ने भाजपा जिलाध्यक्ष को घेरा, भाजपा ने कांग्रेस पर ही मढ़ा ठीकरा

जनता पूछ रही कि आखिर बड़े मधाधीशो पर कार्यवाही कब तक?

अमरकंटक क्षेत्र में आदिवासी परिवारों के आशियानों और वर्षों की मेहनत से तैयार की गई बगिया पर चली बुलडोजर कार्यवाही अब राजनीतिक विवाद का केंद्र बन गई है। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व महासचिव श्रीधर शर्मा ने इस मुद्दे को लेकर भाजपा जिलाध्यक्ष हीरा सिंह श्याम पर तीखा हमला बोला है। वहीं भाजपा ने पलटवार करते हुए कार्यवाही के लिए कांग्रेस जनप्रतिनिधियों को ही जिम्मेदार ठहराया है। इस पूरे घटनाक्रम ने आदिवासी हितों और राजनीतिक जवाबदेही पर नई बहस छेड़ दी है।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

अमरकंटक में आदिवासी परिवारों के आशियानों और उनके द्वारा वर्षों की मेहनत से तैयार की गई फलदार एवं छायादार बगिया पर प्रशासनिक बुलडोजर कार्यवाही के बाद राजनीतिक माहौल गर्म हो गया है। कांग्रेस ने इसे आदिवासी अधिकारों और सम्मान पर हमला बताते हुए भाजपा सरकार और उसके आदिवासी नेतृत्व पर गंभीर सवाल उठाए हैं। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व महासचिव श्रीधर शर्मा ने कहा कि आदिवासी समाज के प्रतिनिधि होने के बावजूद भाजपा जिलाध्यक्ष हीरा सिंह श्याम प्रभावित परिवारों के पक्ष में मजबूती से खड़े नहीं हुए है। वही दूसरी ओर भाजपा जिलाध्यक्ष ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि क्षेत्र की नगर परिषद अध्यक्ष और विधायक कांग्रेस से हैं तथा यह कार्यवाही उनके ही कार्यकाल और प्रभाव क्षेत्र में हुई है। दोनों दलों के आरोप-प्रत्यारोप के बीच सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर जिन गरीब परिवारों के घर और बगिया उजड़ी, उन्हें न्याय और राहत कब मिलेगी। राजनीतिक बयानबाजी के बीच प्रभावित परिवार आज भी अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं। वही सवाल अमरकंटक में बड़े बड़े आश्रम होटल रेस्टोरेंट को प्रशासन द्वारा नजरअंदाज करना सवालों के घेरे में है।

आदिवासी हितों के मुद्दे पर कांग्रेस का हमला

श्रीधर शर्मा ने कहा कि आदिवासी समाज के आशियानों और उनकी मेहनत से तैयार की गई बगिया पर बुलडोजर चलाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने आरोप लगाया कि आदिवासी समाज का नेतृत्व करने का दावा करने वाले भाजपा नेताओं ने इस मामले में चुप्पी साध रखी है। शर्मा ने कहा कि यदि जनप्रतिनिधि अपने ही समाज के लोगों की पीड़ा के समय साथ नहीं खड़े होंगे तो उनके नेतृत्व की सार्थकता पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। उन्होंने प्रभावित परिवारों को न्याय दिलाने की मांग की है।

वर्षों की मेहनत पर चला प्रशासनिक पहिया

स्थानीय लोगों के अनुसार प्रभावित परिवारों ने वर्षों तक मेहनत कर पेड़-पौधों को सींचा और अपनी बगिया तैयार की थी। यही बगिया उनकी आय और जीवन का सहारा भी थी। बुलडोजर कार्यवाही में न केवल झोपड़ियां प्रभावित हुईं बल्कि अनेक पेड़-पौधों को भी नुकसान पहुंचा है। कांग्रेस ने इसे केवल अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही नहीं बल्कि गरीब आदिवासियों के जीवन और भविष्य पर सीधा प्रहार बताया है। इस घटना से क्षेत्र में आक्रोश का माहौल बना हुआ है।

भाजपा का पलटवार, कांग्रेस पर लगाए आरोप

भाजपा जिलाध्यक्ष हीरा सिंह श्याम ने कांग्रेस के आरोपों को राजनीतिक नौटंकी बताया है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की नगर परिषद अध्यक्ष और पुष्पराजगढ़ विधायक कांग्रेस से जुड़े आदिवासी नेता हैं। यदि कार्यवाही गलत थी तो कांग्रेस के जनप्रतिनिधियों को पहले विरोध करना चाहिए था। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक कार्यवाही को अनावश्यक रूप से राजनीतिक रंग दिया जा रहा है। भाजपा का दावा है कि यह कार्यवाही कांग्रेस के इशारे में हुई है और अब अपनी साख बचाने के लिए कांग्रेसी राजनीतिक मुद्दा बनाने की कोशिश कर रहे है।

राजनीति के बीच दब गए प्रभावित परिवार

दोनों दलों के बीच चल रहे आरोप-प्रत्यारोप के बीच सबसे अधिक प्रभावित वे परिवार हैं जिनके घर और बगिया उजड़ गए है। प्रभावित लोगों का कहना है कि उन्हें राजनीतिक बयान नहीं बल्कि पुनर्वास और राहत की जरूरत है। क्षेत्र में यह चर्चा भी तेज है कि यदि कार्यवाही जरूरी थी तो प्रभावितों को पहले वैकल्पिक व्यवस्था क्यों नहीं दी गई है। कई सामाजिक संगठनों ने भी प्रशासन से मानवीय दृष्टिकोण अपनाने की मांग की है। साथ ही सवाल उठ रहे है कि अमरकंटक में बड़े बड़े आश्रम होटल रेस्टोरेंट अवैध कब्जा किए हुए है उन पर कार्यवाही न होना कही न कही प्रशासन का दोहरा चरित्र दर्शाती है।

राहत और न्याय की मांग तेज

कांग्रेस ने प्रशासन से प्रभावित परिवारों को मुआवजा, पुनर्वास और न्याय देने की मांग की है। श्रीधर शर्मा ने कहा कि आदिवासियों के अधिकारों और सम्मान की रक्षा के लिए कांग्रेस लगातार संघर्ष करेगी। वहीं भाजपा का कहना है कि मामले को तथ्यों के आधार पर देखा जाना चाहिए। अब निगाहें प्रशासन पर टिकी हैं कि वह प्रभावित परिवारों के लिए क्या कदम उठाता है। राजनीतिक विवाद से इतर लोगों की अपेक्षा है कि पीड़ित परिवारों को शीघ्र राहत और सुरक्षित आश्रय उपलब्ध कराया जाए। साथ ही अमरकंटक में बड़े बड़े आश्रम, होटल, रेस्टोरेंट जो अवैध भूमि में कब्जा किए हुए है उन पर भी कार्यवाही यथाशीघ्र सुनिश्चित की जाए।

खबर संक्षेप

रामघाट और कोटितीर्थ में बढ़ीं संदिग्ध गतिविधियां

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। मां नर्मदा की उद्गम स्थली और देश के प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन केंद्र अमरकंटक में श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े होने लगे हैं। पवित्र रामघाट, कोटितीर्थ घाट और गांधी कुंड क्षेत्र में इन दिनों अराजक एवं संदिग्ध तत्वों की बढ़ती मौजूदगी से स्थानीय नागरिकों, समाजसेवियों और तीर्थयात्रियों में चिंता का माहौल है। जानकारी के अनुसार सुबह से लेकर दोपहर तक कुछ संदिग्ध युवक-युवतियां और नाबालिग चंदन-टीका लगाने के नाम पर घाटों और मंदिर परिसर के आसपास घूमते रहते हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि ये तत्व श्रद्धालुओं की गतिविधियों पर नजर रखते हैं और स्नान या पूजा-अर्चना के दौरान मौका मिलते ही मोबाइल फोन, पर्स, नकदी और अन्य कीमती सामान चोरी कर फरार हो जाते हैं। कई श्रद्धालुओं ने शिकायत की है कि मां नर्मदा में स्नान के दौरान घाट किनारे रखे उनके मोबाइल और पर्स चोरी हो गए। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि कुछ दिन पूर्व बैंकटोला क्षेत्र के एक नाबालिग को चोरी के आरोप में पकड़ा गया था, जिसके पास से चोरी का सामान भी बरामद हुआ था। इसके बावजूद घाट क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण नहीं हो पाया है। नागरिकों का यह भी आरोप है कि कुछ असामाजिक तत्व घाट और मंदिर क्षेत्र में खुलेआम घूमते हैं तथा कई बार नशे की हालत में श्रद्धालुओं को परेशान करते देखे जाते हैं। इससे अमरकंटक की धार्मिक गरिमा और पर्यटन छवि दोनों प्रभावित हो रही हैं। स्थानीय लोगों, समाजसेवियों और श्रद्धालुओं ने जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन से मांग की है कि घाटों और मंदिर परिसर में नियमित पुलिस गश्त बढ़ाई जाए, सीसीटीवी निगरानी को सशक्त किया जाए तथा संदिग्ध व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाए। उनका कहना है कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और अमरकंटक की प्रतिष्ठा बनाए रखने के लिए प्रशासन को तत्काल ठोस कदम उठाने होंगे।

गर्भवती महिला को जिला चिकित्सालय में कराया गया दाखिल

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जनपद पंचायत अनूपपुर की ग्राम पंचायत बदरा में आयोजित जनकल्याण शिविर के दौरान मैदानी अमले को एक ऐसी गर्भवती महिला की जानकारी प्राप्त हुई, जो बार-बार आग्रह के बाद भी अपनी स्वास्थ्य जांच करवाने से लगातार मना कर रही थी। मामले की संवेदनशीलता और कलेक्टर हर्षल पंचोली एवं जिला पंचायत सीईओ द्वारा हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की सुरक्षा को लेकर दिए गए निर्देशों को देखते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने त्वरित संज्ञान लिया। सीएमएचओ एवं उनकी विशेषज्ञ मेडिकल टीम ने आज तत्काल उस गर्भवती महिला के घर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। टीम ने महिला और उसके परिजनों को स्वास्थ्य जांच न कराने के खतरों से अवगत कराया और काफी देर तक आत्मीयता से समझाइश दी। मेडिकल टीम द्वारा मौके पर ही की गई जांच में महिला एहाई रिस्क (अत्यधिक जोखिम) की श्रेणी में पाई गई। जांच के दौरान महिला का हीमोग्लोबिन स्तर बेहद कम, मात्र 7.6 ग्राम पाया गया, जबकि ब्लड प्रेशर 119/72 दर्ज किया गया। शुरुआत में हिचकिचाहट दिखा रहे परिजनों को जब स्वास्थ्य अधिकारियों ने जच्चा-बच्चा की जान को होने वाले खतरे के बारे में विस्तार से समझाया, तो मेडिकल टीम के प्रयासों और संवेदनशीलता का सकारात्मक असर देखने को मिला।

सहायक प्राध्यापक (भूगोल) पद पर चयनित होने पर आकाश सोनी का हुआ सम्मान

अनूपपुर। जिले के संजय नगर निवासी आकाश सोनी पुत्र स्वर्गीय अशोक सोनी का मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा घोषित सहायक प्राध्यापक (भूगोल) परीक्षा-2024 की चयन सूची में चयन होने पर क्षेत्र में हर्ष एवं उत्साह का माहौल है। उनकी इस उल्लेखनीय सफलता पर परिवार, मित्रों, शुभचिंतकों एवं नगरवासियों ने बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

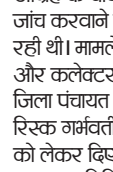

भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा महोत्सव को लेकर विशेष बैठक आज

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

भगवान श्री जगन्नाथ की विश्वप्रसिद्ध रथयात्रा महोत्सव के आयोजन को लेकर अनूपपुर में तैयारियां प्रारंभ हो गई हैं। गत वर्ष की भव्य सफलता के पश्चात इस वर्ष भी इस्कॉन अनूपपुर द्वारा समस्त भगवद्भक्तों, श्रद्धालुओं एवं नगरवासियों के सहयोग से 16 जुलाई को भगवान जगन्नाथ, बलदेव एवं सुभद्रा महारानी की भव्य रथयात्रा का आयोजन किया जाएगा। रथयात्रा महोत्सव की तैयारियों, विभिन्न सेवाओं के समन्वय एवं कार्यक्रम की रूपरेखा को अंतिम रूप देने के उद्देश्य से आज 14 जून (रविवार) को प्रातः 10 बजे से 11 बजे तक इस्कॉन अनूपपुर केंद्र में एक विशेष बैठक आयोजित की जाएगी। आयोजन समिति एवं इस्कॉन अनूपपुर के प्रतिनिधियों ने नगर के सभी भक्तों, समाजसेवियों, शुभचिंतकों तथा रथयात्रा महोत्सव से जुड़े सेवकों से बैठक में उपस्थित होकर अपने सुझाव एवं सहयोग प्रदान करने का आग्रह किया है। समिति का मानना है कि जनसहभागिता और सामूहिक प्रयासों से ही रथयात्रा महोत्सव को अधिक भव्य, सुव्यवस्थित एवं सफल बनाया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि प्रेम, सद्भाव, आध्यात्मिक जागरण एवं सांस्कृतिक एकता का महापर्व है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान के दर्शन, रथ सेवा एवं हरिनाम संकीर्तन का लाभ प्राप्त करते हैं। आयोजन समिति ने समस्त नगरवासियों एवं भक्तजनों से अपील की है कि वे बैठक में सहभागी बनकर रथयात्रा महोत्सव की तैयारियों में अपना सहयोग प्रदान करें तथा इस धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन को सफल बनाने में अपनी भूमिका निभाएं।

पुरुषोत्तम मास की त्रयोदशी पर, मां नर्मदा में हजारों श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की पुण्य डुबकी

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

मध्यप्रदेश की धार्मिक एवं आध्यात्मिक राजधानी कही जाने वाली पवित्र नगरी अमरकंटक में पुरुषोत्तम मास, ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष त्रयोदशी एवं कृतिका नक्षत्र के दुर्लभ पावन संयोग तथा शिव चतुर्दशी व्रत पर शनिवार को श्रद्धा, भक्ति और आस्था का अनुपम संगम देखने को मिला। पतित-पावनी पुण्य सलिला मां नर्मदा के पावन तटों पर हजारों भक्त-श्रद्धालुओं ने स्नान, ध्यान, पूजन एवं अर्चन कर पुण्य लाभ अर्जित किया। प्रातःकाल ब्रह्ममुहूर्त से ही रामघाट, कोटितीर्थ, गांधी कुंड, पुष्कर बांध एवं आरंडी संगम सहित विभिन्न नर्मदा तटों पर श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी थीं। सुबह चार बजे से प्रारंभ हुआ स्नान का क्रम संध्या तक निरंतर चलता रहा। श्रद्धालु पूरे श्रद्धाभाव के साथ मां नर्मदा के जल में आस्था की डुबकी लगाकर आत्मिक शांति एवं पुण्य की अनुभूति करते रहे। नर्मदा तटों पर दिनभर भक्ति और आध्यात्मिकता का वातावरण व्याप्त रहा। महिलाओं द्वारा पारंपरिक मंगल गीतों एवं भजनों का गायन किया गया, वहीं अनेक श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते हुए मां नर्मदा की महिमा का गुणगान करते दिखाई दिए। पूरा वातावरण नर्मदे हर के जयघोष से गुंजायमान रहा। पुण्य स्नान के पश्चात श्रद्धालुओं ने मां नर्मदा उद्गम मंदिर पहुंचकर विधिवत दर्शन-पूजन किया तथा अपने परिवार, समाज एवं राष्ट्र के सुख, समृद्धि, स्वास्थ्य और मंगलमय जीवन की कामना की। श्रद्धालुओं ने मां नर्मदा से प्रार्थना की कि सभी जन यशस्वी, स्वस्थ, दीर्घायु एवं सुखी रहें तथा जीवन में मनोवांछित फल की प्राप्ति हो। अनुमानतः 25 से 30 हजार श्रद्धालुओं ने इस पावन अवसर पर अमरकंटक पहुंचकर मां नर्मदा में स्नान एवं दर्शन का लाभ प्राप्त किया। इसके साथ ही कपिलधारा, दूधधारा, सोनमूड़ा, माई की बगिया तथा जालेश्वर धाम जैसे प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों पर भी दिनभर श्रद्धालुओं और पर्यटकों की उल्लेखनीय भीड़ बनी रही।

डोला-बिजुरी मार्ग का मंत्री दिलीप जायसवाल एवं जीएम हसदेव क्षेत्र ने किया भूमि पूजन

98 लाख की लागत से 550 मीटर बनेगी पीसीसी सड़क

हरिभूमि न्यूज राजनगर।

नगर परिषद डोला तथा आस पास के क्षेत्रवासियों की वर्षों पुरानी मांग आखिरकार पूरी होने जा रही है। नगर परिषद डोला तिराहा से बिजुरी को जोड़ने वाले बहुप्रतीक्षित मार्ग के पीसीसी निर्माण कार्य का भूमि पूजन शनिवार को सुबह 11:30 पर कोतमा विधायक एवं मध्यप्रदेश शासन के मंत्री दिलीप जायसवाल एवं हसदेव क्षेत्र के मुख्य महाप्रबंधक मनोज बिश्नोई की उपस्थिति में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर किया गया। डोला तिराहा से बिजुरी मार्ग लंबे समय से बदहाल स्थिति में था। सड़क पर आये दिन बड़े-बड़े गड्ढों के कारण लोगों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। सड़क निर्माण की मांग को लेकर ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों ने कई बार आंदोलन किए। वहीं एसईसीएल के वाहनों को रोककर चक्का जाम तक किया गया। लगातार उठ रही मांग और जनभावनाओं को देखते हुए मंत्री दिलीप जायसवाल ने मामले को गंभीरता से लेते हुए हसदेव क्षेत्र के महाप्रबंधक मनोज बिश्नोई से चर्चा की और सड़क निर्माण के लिए पत्राचार किया। मंत्री जायसवाल ने सड़क को बार-बार खराब होने से बचाने के लिए पीसीसी निर्माण कराने का सुझाव दिया था। महाप्रबंधक मनोज बिश्नोई ने प्रस्ताव को प्राथमिकता के साथ मुख्यालय बिलासपुर भेजा। जहां पर हरीश दुहन अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक एसईसीएल हेड क्वार्टर बिलासपुर द्वारा क्षेत्र के विकास कार्यों को गति देते हुए सिर्फ सात दिवस में ही इस राशि कि स्वीकृति प्रदान कर दि गयी। स्वीकृति मिलने के बाद टेंडर हुआ। वर्क आर्डर जारी हो गया है। अब निर्माण कार्य का रास्ता साफ हुआ। करीब 98 लाख रुपए की लागत से बनने वाली यह सड़क 550 मीटर लंबी और 6 मीटर चौड़ी 300 एमएम मोटी होगी। भूमि पूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि यह सड़क पहले कई बार बनी। लेकिन कुछ ही महीनों में गड्ढों में तब्दील हो जाती थी। इसलिए इस बार इसके निर्माण कार्य में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए और किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। दिलीप जायसवाल ने कहा कि सड़क निर्माण पूर्ण होने के बाद लोकार्पण कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा। तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले इंजीनियरों एवं अधिकारियों का सार्वजनिक मंच पर सम्मान भी किया जाएगा। मंच का सफल संचालन दीपक शर्मा विधायक प्रतिनिधि द्वारा किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ भाजपा नेता प्रेमचंद यादव, धर्मेंद्र सिंह जिला अध्यक्ष पिछड़ा मोर्चा, श्रीमती सहबीन पनिका अध्यक्ष नगर पालिका बिजुरी, श्रीमती रीनू सुरेश कोल अध्यक्ष नगर परिषद डोला, रविशंकर तिवारी उपाध्यक्ष नगर परिषद डोला, यशवंत सिंह अध्यक्ष नगर परिषद बनगवां (राजनगर), अजय सराफ अध्यक्ष नगर पालिका कोतमा, रविंद्र शर्मा अध्यक्ष भाजपा मंडल बिजुरी, कमलेश चतुर्वेदी अध्यक्ष भाजपा मंडल राजनगर, आधाराम वैश्य, सुमित कौशिक थाना प्रभारी रामनगर, राजधर दुबे, गयाबोध मिश्रा, रंजीत सिंह, मुकेश जैन, जितेंद्र शुक्ला, सचिन द्विवेदी मंडल महामंत्री भाजपा राजनगर, पंकज कुमार शर्मा मंडल मीडिया प्रभारी राजनगर, पार्षद गिरिजा विश्वकर्मा, समय लाल पटेल, कालरी से विश्वकर्मा जी, सिविल विभाग हसदेव क्षेत्र के अधिकारीगण, सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, भाजपा कार्यकर्ता, क्षेत्रवासी तथा प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकार साथी उपस्थित रहे।

स्टेशन में राहगीरों का मोबाईल चोरी कर बेचने वाले आरोपी की जमानत याचिका निरस्त

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। लोक अभियोजक पुष्पेन्द्र कुमार मिश्रा द्वारा बताया गया कि आरोपी मो0 आजाद उर्फ सोनू उम्र 33 वर्ष पिता गौस मोहम्मद निवासी ग्राम बडा मदार छल्ला शास्त्री बार्ड बाबा टोला, थाना हनुमान ताल, जिला जबलपुर (म0प्र0) को 05 जुन स्टेशन चेकिंग के दौरान 01 व्यक्ति संदिग्ध अवस्था में दिखा और पुलिस को देखकर भागने लगा। उसको रोका गया तो उसके जेब कई मोबाईल दिख रखें थे उससे पूछताछ के दौरान उसके पास से 05 नग मोबाईल मिले और उसने बताया कि मै इन मोबाईलों को चुराया हूँ और बेचने के लिये ग्राहक तलाशना बताया। उसके पास मिले 05 मोबाईलो में से 01 मोबाईल शिकायतकर्ता की भी मिला जिसे उसे न्यायालय के आदेशानुसार सुपुर्दग कर दिया गया है। उक्त अपराध के संबंध में शासकीय रेल्वे पुलिस जबलपुर थाना शहडोल में अपराध क्रमांक 86/2026 भारतीय न्याय संहीता 2023 की धारा 317(2), 303(2) में पंजीकृत किया गया और आरोपी को गिरफ्तार किया गया। मामले में आरोपी की ओर से तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश कृष्णा डागलिया के न्यायालय में जमानत पर छोड़े जाने हेतु याचिका दायर की गई थी, जिस पर सुनवाई करते हुए और शासन की ओर से पैरवी कर रहे लोक अभियोजक पुष्पेन्द्र कुमार मिश्रा द्वारा रखे गए तर्कों और बहस तथा मामले की गम्भीरता एवं परिस्थितियों को देखते हुए आरोपी आरोपी मो0 आजाद उर्फ सोनू की जमानत याचिका को निरस्त कर दिया गया।